भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-138

उत्तर देने की तारीख-25/11/2024

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के माध्यम से डिजिटल लर्निंग

138. **श्री अनूप संजय धोत्रे:**
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री प्रवीण पटेल:
श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:
श्री चिन्तामणि महाराज:
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:
श्री भर्तृहरि महताब:
श्री महेश कश्यपः
श्री मनीष जायसवाल:
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया:
श्री खगेन मुर्मुः
डॉ. निशिकान्त दुबेः
श्री जुगल किशोर:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का अवसर प्रदान करने के लिए कोई कदम उठाए हैं/ उठाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विशेषकर झारखंड के हजारीबाग और रामगढ़ जिलों सहित कितने विश्वविद्यालयों ने ई-लर्निंग के लिए एसडब्लूएवाईएएम (स्वयं) प्लेटफॉर्म को अपनाया है और डिजिटल शिक्षा का लाभ उठाने के मामले में उनकी स्थिति क्या है;

(ग) उच्च शिक्षा में डिजिटल शिक्षा हेतु सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली विषय-वस्तु सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा की-गई-कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;

(घ) ज्ञान की भागीदारी हेतु डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा) के एक भाग के रूप में वन नेशन वन डिजिटल प्लेटफार्म का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त प्लेटफार्म पर उपलब्ध विभिन्न ई-पुस्तकों, ई-विषय-वस्तु का ब्यौरा क्या है और उसे किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ड.): भारत सरकार ने प्रौद्योगिकी के एकीकरण के माध्यम से बहु-विषयक शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" की घोषणा की है।

एनईपी 2020 के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने आईआईटी मद्रास के सहयोग से "कोई भी, कहीं भी, कभी भी सीखने" के दृष्टिकोण के साथ शिक्षार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण सामग्री नि:शुल्क उपलब्ध कराने के लिए स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव-लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स (स्वयम) पोर्टल शुरु किया है। स्वयम विभिन्न डोमेन में उच्च गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री प्रदान करता है, जिसे एक पूर्ण अधिगम अनुभव हेतु प्रमुख संस्थानों द्वारा क्यूरेट किया जाता है।

दिनांक 21 नवंबर तक 3,500 से अधिक विशिष्ट पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं और कई पाठ्यक्रम अनेक भारतीय भाषाओं में प्रदान किए जा रहे हैं। स्वयम एमओओसी ने अपनी शुरुआत के बाद से 4.63 करोड़ का संचयी नामांकन देखा है और कुल 31.1 लाख प्रमाणपत्र प्रदान किए गए हैं। इसके अंगीकरण को बढ़ावा देने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने स्वयम क्रेडिट स्वीकार करने वाले विश्वविद्यालयों को अपने छात्रों के लिए अपने परिसरों में स्वयम प्रोक्टर्ड परीक्षा देने की अनुमति दी है। विश्वविद्यालयों द्वारा स्वयम को राज्य-वार अपनाने और जुलाई 2024 सेमेस्टर के लिए नामांकन अनुलग्नक-I में दिया गया है, जिसे https://www.education.gov.in/parl_ques पर देखा जा सकता है।

छात्रों/शिक्षार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से, शिक्षा मंत्रालय और आईआईटी मद्रास ने उद्योग भागीदारों के साथ मिलकर स्वयम प्लस शुरु किया है। यह उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है जो उभरती हुई तकनीक जैसे विनिर्माण, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य और पर्यटन आदि के माध्यम से तेजी से बदल रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाकर शिक्षा प्रदान करने के तरीके को बदलने के लिए दीक्षा प्लेटफॉर्म शुरु किया है। इसका उद्देश्य छात्रों को पारंपरिक कक्षाओं से परे एक समग्र अधिगम अनुभव प्रदान करना है। यह समग्र शिक्षा योजना के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री प्रदान करता है। प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के पास अपने शिक्षकों, शिक्षार्थियों और प्रशासकों के लिए कार्यक्रम डिजाइन करने और चलाने के लिए मंच की विभिन्न क्षमताओं और समाधानों का उपयोग करने की स्वतंत्रता और विकल्प है।

दीक्षा पोर्टल वह सुविधा प्रदान करता है जो शिक्षकों को विभिन्न चरणों में पाठ्यक्रम का अनुपालन करने में सहायता करती है। महत्वपूर्ण और समीक्षात्मक विचार-कौशल को बढ़ावा देने के लिए, दीक्षा प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल लैब्स पर एक वर्टिकल भी बनाया गया है। कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विषयों के लिए विज्ञान और गणित के 280 वर्चुअल लैब उपलब्ध कराए गए हैं। पंजीकृत उपयोगकर्ताओं, ई-संसाधनों जैसे डिजिटल पाठ्य पुस्तकों, ई-सामग्री और प्रमाणपत्रों का ब्यौरा https://diksha.gov.in/data/ पर उपलब्ध है।

*****